GOVERNMENT (AUTONOMOUS) GIRLS POST GRADUATE
COLLEGE OF EXCELLENCE, SAGAR (M.P.)
(NAAC 'A' Grade Accredited)
07582 404480 heggpgcsag@mp.gov.in www.ggpgcs.com

(1) Faculty Development Programme on E-content Development (Power Point Based Vedio Lecture)

Date : 05.08.2022 to 06.08.2022

Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence Sagar (M.P.)

Department of Sports

Faculty Development Programme

on

E-Content Development

Power Point Based Video Lectures

Date : 5 & 6 August 2022,
Time 2.00 to 4.00 PM

Speakers

Professor T. R. Thapak
Vice Chancellor
Maharaja Chhatrsal Bundelkand Vishwavidyala, Chhatarpur

Dr. Ela Tiwari
Principal
Govt. Autonomour Girls P.G. College of Excellence, Sagar

Dr. Sagar Sen
Associate professor
Maharaja Bhoj Government P.G. College Dhar

Dr. Amit Jain
Associate Professor of Physics
Institute for Excellence in Higher Education, Bhopal

Dr. Ajay Bhratdwaj
Professor (Botany)
Institute for Excellence in Higher Education, Bhopal (M.P.)

Dr. Sunil Datt Lakhera
Senior Sports officer
O F k College jabalpur

Dr. Somesh Pooniya
Sports Officer
Govt.College Aron Guna

Dr. Monika Hardicar
Convener
Govt.-Autonomous Girls P.G. College of Excellence, Sagar

Dr. Renu Bala Sharma
Organizing Secretary
Dean of Home Science
Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence, Sagar

Prof Naveen Gideon
Co - Convener
Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence, Sagar

Dr. Anjana Nema
Co - Convener
Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence, Sagar

Registration Link - https://bit.ly/3SryDyu

Google Meet Link - https://bit.ly/3PY5UQ4

Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence, Sagar (M.P.)

DEPARTMENT OF SPORTS

FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

ON

E-CONTENT DEVELOPMENT

POWER POINT BASED VIDEO LECTURES

Date – 05th & 06th August 2022 Time – 02 PM to 05 PM

Schedule- Day 1- Date 05.08. 2022 Time - 02 PM to 04 PM

No.	Eminent Speakers	Topic	Duration
01	**Dr. Sagar Sen** Assistant Professor Maharaja Bhoj Govt. P.G. College Dhar (MP)	Video Recording & Editing Tools Using OBS, Open Short and VSDC	02 PM To 03 PM
02	**Dr. Sonesh Pooniya** Sports Officer Govt. College Aron (Guna)	How to Write E-Content	03 PM To 04 PM.

Schedule- Day 2- Date 06.08. 2022 Time - 02 PM to 05PM

No.	Eminent Speakers	Topic	Duration
01	**Dr. Amit Jain** Associate Professor (Physic) Institute for Excellence In Higher Education Bhopal	Effective Power Point Presentation	02 PM To 03 PM
02	**Dr. Ajay Bhardwaj** Professor (Botany) Institute for Excellence In Higher Education Bhopal	Overview of Four Quadrants Model & Element of E-Content Module	03 PM To 04 PM.
03	**Dr. Sunil Datt Lakhera** Senior Sports Officer Govt. O.F. Khamriya College Jabalpur	Outline of E-Content Creation in Physical Education. Presentation	4 PM TO 5PM

Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence Sagar (M.P.)
Department of Sports
Faculty Development Programme
on
E-Content Development
Power Point Based Video Lectures
Date : 5 & 6 August 2022, Time 2.00 to 5.00 PM
Dr. Ela Tiwari
Principal
2022.08.05 14:09

Govt. Autonomous Girls P.G. College of Excellence Sagar (M.P.)
Department of Sports
Faculty Development Programme
on
E-Content Development
Power Point Based Video Lectures
Date : 5 & 6 August 2022, Time 2.00 to 5.00 PM
Dr. Ela Tiwari
Principal

(2) Rashtriya Shiksha Neeti Me Matrabhasha Evam Pustkalaya Ki Bhumika

Date : 30.09.2022

(3) Prepration for Comptetative Exams : Challenges and Solution

Date : 20.12.2022 to 26.12.2022

अपनी कमियों को खोजो और उनका सामना करो

नवभारत न्यूज

सागर 21 दिसंबर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि छात्राएँ इस कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकती हैं.

उन्होंने ने कहा कि अपनी कमियों को खोजों और उनका सामना करों. कार्यशाला में वक्ता सचिन चौरसिया ने प्रतिभागियों को बैंकिंग, रेलवे, एस.एस.सी. परीक्षाओं की विस्तृत जानकारी दी. अध्यक्षता कर रहीं डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से हमारी छात्राएँ निश्चित रूप से लाभांवित होंगी. संचालन सचिव लेफ्निेंट डॉ. अंशु सोनी ने किया. आभार कार्यशाला सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने माना.

कार्यशाला में डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. अपर्णा चाचौंदिया, डॉ. पहलाद अहिरवार, डॉ. सीमा रैकवार, डॉ. पूनम कोहली, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. राखी खटीक, पुष्पेंद्र पाण्डेय, अक्षय दुबे, अपूर्व दुबे, श्रीमति प्रीति गौतम उपस्थित रहीं.

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियां एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान है : डॉ. सिद्दीकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता इन्फिनिटी कॉलेज के डॉ. अश्फाक सिद्दीकी ने व्यवसायिक प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी।

नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता आलोक सिंह ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में अवसरों की कमी और चाहने वाले लोग ज्यादा हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो गई है। अतः आप अपनी क्षमताओं को पहचाने व लक्ष्य निर्धारित करें, जीवन में कुछ भी असम्भव नहीं है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारें। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं। कार्यशाला सह-समंवयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि तभी तक कठिनाई है, जब तक कि जानकारी का अभाव हो। यह कार्यशाला आपकी इस समस्या का समाधान करेगी। आभार आयोजन सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना।

(4) Uttar Bhartiya Sangeet (Gayan, Vadan, Nratya) Ke Vivid Ayam

Date : 17.03.2023 to 18.03.2023

सागर शहर

सागर, शनिवा

आयोजन। नृत्य विभाग की छात्राओं ने लोकनृत्य "नौरता" प्रस्तुत किया

गर्ल्स कॉलेज में संगीत व नृत्य पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का शुभारंभ

सागर, आचरण संवाददाता। शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में संगीत एवं नृत्य विभाग के सह-आयोजन में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्रीमती संगीता तिवारी ने कहा कि संगीत का जीवन में बहुत महत्व है और यह हर व्यक्ति से जुड़ा हुआ है। चाहे वह इस विषय का विद्यार्थी हो अथवा नहीं। विषय विशेषज्ञ डॉ. पं देवेन्द्र वर्मा ने नदियों एवं सोलह श्रृंगार की जानकारी देते हुए कहा कि नृत्य पर अभी और अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है। संगीत अभी अपनी शैशवावस्था में है। अच्छे शोध जिसमें शोधन हो एवं जो शुद्ध हो, किए जाने की आवश्यकता है, वही समाज को दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनिरुद्ध पिंपलापुरे ने कहा कि संगीत एवं नृत्य जीवन से जुड़े विषय हैं एवं इन पर संगोष्ठी का आयोजन एक सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्था प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, सागर संभाग सागर डॉ. सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि गायन, वादन एवं नृत्य तीनों विधाओं को मिलाकर ही संगीत की परिभाषा बनती है। इन तीनों विधाओं गायन, वादन एवं नृत्य का आपस में घनिष्ठ सम्बन्ध है। हमारे देश में कलाओं एवं कलाकारों का वैदिक काल से ही विशिष्ट स्थान रहा है। कलाओं के प्रदर्शन का उद्देश्य भी ईश्वरोपासना रहा है। चाहे शास्त्रीय कलाएं हों या लोक कलाएं सभी के प्रदर्शन के पूर्व इष्ट देव की वंदना या देवताओं का आह्वान करने की परम्परा हमारे देश में प्रचलित है। संगोष्ठी का प्रथम तकनीकी सत्र नृत्य विषय पर आधारित था। सत्र की अध्यक्षता डॉ. नीता गहरवार, खैरागढ़ कत्थक नृत्य की धार्मिक एवं आध्यात्मिक पृष्ठभूमि विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. वंदना चौबे ने नायिका की अष्टावस्था मुद्राओं एवं डॉ. सुचित्रा हरमलकर ने घरानों के वैशिष्ट्य पर विशेष व्याख्यान दिया। डॉ. नीता गहरवार ने नायिका भेद पर अपना व्याख्यान दिया। आरोही श्रीवास्तव ने ताल के दस प्राण, कृष्णकांत कटारे ने पश्चात्य संगीत में युवाओं का रुझान पर अपना शोध पत्र पढ़ा। सत्र का संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने किया। शाम को सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत डॉ. योगिता मांडलिक की ध्रुपद प्रस्तुति से हुई। इसके बाद गगनराज एवं आशुतोष सोनी ने तबला वादन किया हारमोनियम पर संगत प्रियंक तेलंग ने की। नृत्य विभाग की छात्राओं द्वारा पारंपरिक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसमें मुख्य कलाकार आरोही अपर्णा चार्वोदिया ने की हारमोनियम पर कृष्णकुमार कटारे एवं तबला पर तेजस पटैल थे। अंत में नृत्य विभाग की छात्राओं द्वारा लोकनृत्य "नौरता" प्रस्तुत किया। आभार अपर्णा चार्वोदिया ने माना। महाविद्यालय परिवार की ओर से राष्ट्रीय शोध सेमीनार में डॉ. नरेन्द्रसिंह ठाकुर, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. नवीन गिडियन, डॉ. रेनूबाला शर्मा, डॉ. डी.के. गुप्ता, डॉ. एम.एम. चौकसे, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. पद्मा आचार्य, डॉ. सरिता जैन, डॉ. निशा इन्द्र गुरु, डॉ. रजनी दुबे, डॉ. संजय खरे, डॉ. संतोष गुप्ता, डॉ. मालती दुबे, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अंजना नेमा, राजकुमार अहिरवार, अभय जैन, डॉ. अंशु सोनी, खेमचन्द्र कश्यप, एस.के. भोजक, श्रीमति प्रीति गुप्ता, श्रवण कुमार शर्मा, हुकुम चन्द रजक, दिनेश पाण्डेय, शैलेन्द्र पटैल, अक्षय दुबे,

संगीत आनंद की अनुभूति, चिकित्सा एवं योग है : महापौर

नवभारत न्यूज

नव भारत

सागर 17 मार्च. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में संगीत एवं नृत्य विभाग के सह-आयोजन में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि संगीता तिवारी ने कहा कि संगीत का जीवन में बहुत महत्व है और यह हर व्यक्ति से जुड़ा हुआ है. चाहे वह इस विषय का विद्यार्थी हो अथवा नहीं.

विषय विशेषज्ञ डॉ. पं देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि नृत्य पर अभी और अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है. विशिष्ट अतिथि अनिरुद्ध पिंपलापुरे ने कहा कि संगीत एवं नृत्य जीवन से जुड़े विषय हैं एवं इन पर संगोष्ठी का आयोजन एक सराहनीय प्रयास है. अध्यक्ष संस्था प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, सागर संभाग सागर डॉ. सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि गायन, वादन एवं नृत्य तीनों विधाओं को मिलाकर ही संगीत की परिभाषा बनती है. इन तीनों विधाओं गायन, वादन एवं नृत्य का आपस में घनिष्ट सम्बन्ध है. सत्र की अध्यक्षता डॉ. नीता गहरवार, खैरागढ़ वि.वि. द्वारा की गई. विषय विशेषज्ञ डॉ. योगिता मण्डले ने विषय पर अपना व्याख्यान दिया. डॉ. वंदना चौबे ने नायिका की अष्टावस्था मुद्राओं एवं डॉ. सुचित्रा हरमलकर ने घरानों के वैशिष्ट्य पर विशेष व्याख्यान दिया. डॉ. नीता गहरवार ने नायिका भेद पर अपना व्याख्यान दिया. आरोही श्रीवास्तव ने ताल के दस प्राण, कृष्णकांत कटारे ने पश्चात्य संगीत में युवाओं का रूझान पर अपना शोध पत्र पढ़ा. सत्र का संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने किया. सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत डॉ. योगिता मांडलिक की ध्रुपद प्रस्तुति से हुई. गगनराज एवं आशुतोष सोनी ने तबलावादन किया हारमोनियम पर संगत श्री प्रियंक तेलंग ने की. नृत्य विभाग की छात्राओं द्वारा पारंपरिक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई. मुख्य कलाकार आरोही श्रीवास्तव, बाला जैन एवं नंदिनी श्रीवास्तव, पढन्त पर संगत डॉ. अपर्णा चार्वोदिया ने की हारमोनियम पर कृष्णकुमार कटारे एवं तबला पर तेजस पटैल थे. नृत्य विभाग की छात्राओं द्वारा लोकनृत्य "नौरता" प्रस्तुत किया. आभार अपर्णा चार्वोदिया ने माना.

रोजगार अवसर एवं चुनौतियां पर संगोष्ठी आज

सागर. वाणिज्य विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विवि में रोजगार अवसर एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 18 और 19 मार्च को किया जा रहा है. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. विशेष आमंत्रित अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन होंगे. भारतीय लेखांकन परिषद के अध्यक्ष प्रो. जसराज बोहरा आदि मौजूद रहेंगे.